राष्ट्रीय सहारा, वाराणसी
दिनांक 15.09.2020

स्वतंत्रता आंदोलन में हिन्दी की अतुलनीय भूमिका

वाराणसी (एसएनबी)। डीजल रेल इंजन कारखाना राजभाषा विभाग के तत्वावधान में आयोजित राजभाषा पखवाड़ा का समापन सोमवार को माइक्रोसॉफ्ट टीम के माध्यम से हिन्दी दिवस समारोह के साथ हुआ। अध्यक्षता करते हुये महाप्रबंधक यशपाल सिंह ने कहा कि हिन्दी ने हमारे स्वतंत्रता आंदोलन को जनव्यापी अभियान बनाने में अतुलनीय भूमिका का निर्वाह किया। स्वतंत्रता की प्राप्ति में महत्वपूर्ण योगदान एवं इसके राष्ट्रव्यापी महत्व को देखते हुए ही हमारी संविधान सभा ने हिन्दी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया।

सिंह ने डीरेकाकर्मियों को कर्तव्यबोध करवाते हुए कहा कि आज प्रत्येक कार्यक्षेत्र में हिन्दी का प्रयोग हमारा संवैधानिक दायित्व तो है ही, जनता के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है। इस अवसर पर आभासी मंच के माध्यम से डीरेकाकर्मियों को सम्बोधित महाप्रबंधक मुख्य वक्ता बीएचयू हिन्दी विभाग की डॉ. चंद्रकला त्रिपाठी ने कहा कि साहित्य और भाषा का आपस में वृहत्तर संबंध है। तीन हजार वर्ष पुरानी संस्कृत से न केवल हमारी भाषाएं समृद्ध हुईं, अपितु विश्व के भाषाओं पर भी छाप छोड़ा। स्वाधीनता संग्राम और ज्वलंत मुद्दों पर स्थानीय भाषा ने ही सम्पर्क भाषाओं के रूप में कार्य किया है। हमारे रचनाकारों ने अपनी क्षमतानुसार साहित्य के माध्यम से भाषा को समृद्ध किया और लोक भाषाओं को जोड़कर इसके दूराग्रह को दूर किया। स्वागत मुख्य राजभाषा अधिकारी पवन प्रिय राजू ने किया।

'डीरेका दर्पण' ई-पत्रिका का किया विमोचन

कार्यक्रम का शुभारम्भ डा. शशि कान्त शर्मा द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना 'वर दे विणा वादिनी वर दे...' के साथ हुआ। कार्यक्रम में एसके कश्यप, डीएस जंगपांगी, जेएनपाण्डेय, डीके मंडल, पीके सिंह, प्रजेश अग्रवाल, पीके चौधरी, त्रिलोक कोठारी, एके सिंह आदि ने भाग लिया। संचालन वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी डा. संजय कुमार सिंह ने गृह मंत्री एवं रेल मंत्री का हिन्दी दिवस के अवसर पर दिये गये संदेशों का वाचन किया तथा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

ज्ञानशिखा टाइम्स, वाराणसी
दिनांक 15.09.2020

डीरेका में हिन्दी दिवस समारोह के साथ राजभाषा पखवाड़ा का हुआ समापन

वाराणसी। डीजल रेल इंजन कारखाना राजभाषा विभाग के तत्वावधान में 02 से 14 सितम्बर तक आयोजित राजभाषा पखवाड़ा का समापन आज दिनांक 14 सितम्बर को माइक्रोसॉफ्ट टीम्स के माध्यम से हिन्दी दिवस समारोह के साथ हुआ। समारोह की अध्यक्षता करते हुये महाप्रबंधक श्री यशपाल सिंह ने कहा कि वास्तव में हिन्दी ने हमारे स्वतंत्रता आंदोलन को जनव्यापी अभियान बनाने में अतुलनीय भूमिका का निर्वाह किया। स्वतंत्रता की प्राप्ति में महत्वपूर्ण योगदान एवं इसके राष्ट्रव्यापी महत्व को देखते हुए ही हमारी संविधान सभा ने हिन्दी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया। श्री सिंह ने डीरेका कर्मियों को कर्तव्यबोध करवाते हुए कहा कि आज प्रत्येक कार्यक्षेत्र में हिन्दी का प्रयोग हमारा संवैधानिक दायित्व तो है ही, जनता के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है। इस अवसर पर आभासी मंच के माध्यम से डीरेका कर्मियों को सम्बोधित महाप्रबंधक का

हिन्दी दिवस संदेश एवं डीरेका दर्पण (ई-पत्रिका) का विमोचन किया गया। आभासी मंच के माध्यम से जुड़ी मुख्य वक्ता डॉ. चंद्रकला त्रिपाठी, पूर्व प्रोफेसर, हिन्दी, काशी हिन्दू विश्व विद्यालय ने अपने विशेषज्ञतापूर्ण व्याख्यान में कहा कि साहित्य और भाषा का आपस में वृहत्तर संबंध है। 3000 वर्ष पुरानी संस्कृत से न केवल हमारी भाषाएं समृद्ध हुईं, अपितु विश्व के भाषाओं पर भी छाप छोड़ा। स्वाधीनता संग्राम और ज्वलंत मुद्दों पर स्थानीय भाषा ने ही सम्पर्क भाषाओं के रूप में कार्य किया है। हमारे रचनाकारों ने अपनी क्षमतानुसार साहित्य के माध्यम से भाषा को समृद्ध किया और लोक भाषाओं को जोड़कर इसके दूराग्रह को दूर किया। इस कोरोना काल में भी हमने सूचना प्रौद्योगिकी को अपनाकर राजभाषा के प्रयोग को सुनिश्चित किया। इस अवसर पर डॉ. त्रिपाठी ने काव्य पाठ के माध्यम से स्त्री संघर्ष और मातृ-भाषा के ज्वलंत मुद्दों को ढकेर कर श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। अतिथियों एवं वक्ताओं का स्वागत करते हुए मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री पवन प्रिय राजू ने राजभाषा पखवाड़ा के दौरान आयोजित कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला एवं कहा कि वैश्वीकरण के दौर में हमारी राजभाषा हिन्दी न केवल भारत वर्ष में, बल्कि संसार भर में अपना परचम लहरा रही है, जो हमें आश्वस्त करती है कि हिन्दी का भविष्य सुरक्षित है। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारम्भ डॉ.शशि कान्त शर्मा द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना 'वर दे विणा वादिनी वर दे...' के साथ हुआ। इस अवसर पर सर्वश्री एस. के.कश्यप, प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर, डी. एस. जंगपांगी, प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, जे. एन. पाण्डेय, प्रमुख वित्त सलाहकार, डी.के.मंडल, प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर, पी.के.सिंह, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी, राजेश अग्रवाल, प्रमुख मुख्य इंजीनियर, पी. के. चौधरी, मुख्य सतर्कता अधिकारी, त्रिलोक कोठारी, मुख्य सामग्री प्रबंधक/मुख्यालय, ए. के. सिंह, मुख्य अभिकल्प इंजीनियर/डी.एल. सहित बड़ी संख्या में विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन करते हुए वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी डॉ. संजय कुमार सिंह ने माननीय गृह मंत्री एवं माननीय रेल मंत्री का हिन्दी दिवस के अवसर पर दिये गये संदेशों का वाचन किया तथा कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन भी किया।

आज, वाराणसी
दिनांक 15.09.2020

स्वतंत्रता आन्दोलनमें हिन्दीका योगदान अतुलनीय-यशपाल सिंह

डीरेकामें हिन्दी दिवस समारोहके साथ राजभाषा पखवाड़ा का समापन

डीजल रेल इंजन कारखाना राजभाषा विभागके तत्वावधानमें आयोजित राजभाषाका समापन सोमवारको हिन्दी दिवस समारोहके साथ सम्पन्न हुआ। माक्रोसाफ्ट टीम्सके माध्यमसे आयोजित समारोहकी अध्यक्षता करते हुए महाप्रबंधक यशपाल सिंहने कहाकि स्वतंत्रता आन्दोलनको जनव्यापी बनानेमें हिन्दीने अतुलनीय भूमिकाका निवर्हन किया। स्वतंत्रता प्राप्तिके बाद इसके महत्वपूर्ण योगदान एवं राष्ट्रव्यापी महत्वके मद्देनजर ही संविधान सभाने हिन्दीको राजभाषाके रूपमें स्वीकार किया। महाप्रबन्धकने डीरेकाकर्मियोंको कर्तव्यबोध करवाते हुए कहाकि आज प्रत्येक कार्य क्षेत्रमें हिन्दीका प्रयोग हमारा संवैधानिक दायित्व तो है ही, जनताके प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है। इस अवसरपर उन्होंने हिन्दी दिवस संदेशका वाचन एवं डीरेका दर्पण (ई-पत्रिका) का विमोचन भी किया। मुख्य वक्ता काशी हिन्दू विश्वविद्यालयकी पूर्व प्रोफेसर डाक्टर चन्द्रकला त्रिपाठीने कहाकि स्वधीनता संग्राम और ज्वलंत मुद्दोंपर स्थानीय भाषाने ही सम्पर्क भाषाओंके रूपमें कार्य किया। हमारे रचनाकारोंने अपनी क्षमतानुसार साहित्यके माध्यमसे भाषाको समृद्ध किया और लोकभाषाओंको जोड़कर इसके दुराग्रहको किया। कोरोना कालमें भी हमने प्रौद्योगिकीको अपनाकर राजभाषाके प्रयोगको सुनिश्चित किया। इस अवसरपर स्त्री संघर्ष और मातृभाषासे जुड़े मुद्दोंपर काव्यपाठ भी किया। अतिथियों, वक्ताओंका स्वागत करते हुए मुख्य राजभाषा अधिकारी पवन प्रिय राजूने राजभाषा पखवाड़ाके दौरान आयोजित कार्यक्रमोंपर प्रकाश डालते हुए कहाकि वैश्विकरणके दौरमें भी हमारी राजभाषा देशकी नहीं पूरे विश्वमें परचम लहरा रही है। यह हिन्दीके भविष्यके सुरक्षित होनेके संकेत है। कार्यक्रम का शुभारंभ डाक्टर शशिकान्त शर्माके सरस्वती वादनसे हुआ। इस अवसरपर सर्वश्री एस.के. कश्यप, डी.एस. जंगपांगी, जे.एन. पाण्डेय, डी.के. मण्डल, पी.के. सिंह, राजेश अग्रवाल, पी.के. चौधरी, त्रिलोक कोठारी, ए.के. सिंह समेत सभी विभागाध्यक्ष, अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे। संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन करते हुए वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी डाक्टर संजय कुमार सिंहने गृहमंत्री और रेलमंत्रीके हिन्दी दिवसपर दिये गये संदेशोंका वाचन किया।

आज, वाराणसी
दिनांक 15.09.2020

बीएचयू, डीरेका, एनईआर में हिन्दी के उत्थान पर चर्चा

वाराणसी (जनवार्ता)। मंडल रेल प्रबंधक विजय कुमार पंजियार की अध्यक्षता में अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी/अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) शिव प्रताप सिंह यादव के नेतृत्व में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में वाराणसी मंडल के राजभाषा विभाग द्वारा मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में राजभाषा सप्ताह-2020 के आयोजन का शुभारंभ सोमवार को माइक्रोसॉफ्ट टीम्स के माध्यम से ऑनलाइन मंडल राजभाषा क्रियान्वयन समिति की आभासी बैठक/गृहमंत्री एवं रेल मंत्री के संदेशों का वचन एवं तकनीकी संगोष्ठी के आयोजन के साथ हुआ । डीजल रेल इंजन कारखाना राजभाषा विभाग के तत्वावधान में 2 से 14 सितम्बर तक चलने वाले राजभाषा पखवाड़ा का समापन सोमवार को हिन्दी दिवस समारोह के साथ माइक्रोसॉफ्ट टीम्स के माध्यम से संम्पन्न हुआ । अध्यक्षता महाप्रबंधक यशपाल सिंह नेकी। इस अवसर पर आभासी मंच के माध्यम से हिन्दी दिवस संदेश एवं डीरेका दर्पण (ई-पत्रिका) का विमोचन किया गया । कार्यक्रम का संचालन करते हुए वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी डॉ. संजय कुमार सिंह ने गृह मंत्री एवं रेल मंत्री का हिन्दी दिवस के अवसर पर दिये गये संदेशों का वाचन किया तथा कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन भी किया ।

हिन्दुस्तान, वाराणसी
दिनांक 15.09.2020

हिंदी ने स्वतंत्रता आंदोलन को जनअभियान बनाया

वाराणसी। डीरेका राजभाषा विभाग के राजभाषा पखवाड़ा का समापन सोमवार का हुआ। वीडियो कांफ्रेंसिंग से महाप्रबंधक यशपाल सिंह ने कहा कि हिन्दी ने स्वतंत्रता आंदोलन को जनव्यापी अभियान बनाया। डीरेकाकर्मियों को सम्बोधित महाप्रबंधक का हिन्दी दिवस संदेश एवं डीरेका दर्पण का विमोचन भी किया।

मुख्य वक्ता बीएचयू में हिन्दी की प्रोफेसर रहीं डॉ. चंद्रकला त्रिपाठी ने कहा कि हमारे रचनाकारों ने साहित्य के माध्यम से भाषा को समृद्ध किया।